University in News on 10 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उपलब्धि — वर्ष 1864 में कैनिंग कॉलेज की स्थापना के समय से चल रहा है प्राच्य अरेबिक एवं पर्शियन विभाग

विवि 102 साल का, विभाग का 160वां स्थापना दिवस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। 102 साल पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय का एक विभाग अपना 160वां स्थापना दिवस समारोह मनाने जा रहा है। यह थोड़ा अजीब है, पर विवि में दो विभाग ऐसे हैं जिनका संचालन कैनिंग कॉलेज की स्थापना के समय से हो रहा है।

इनमें शामिल प्राच्य अरेबिक एवं पर्शियन विभाग अगले साल भव्य स्तर पर 160वां स्थापना दिवस समारोह मनाने जा रहा है। वर्ष 1864 में शुरू हुए कैनिंग कॉलेज को वर्ष 1921 में लखनऊ विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था।

किसी भी विश्वविद्यालय में आमतौर पर सिर्फ डिग्री स्तर की कक्षाओं का संचालन होता है। लविवि में प्राच्य संस्कृत और प्राच्य अरेबिक एवं पर्शियन दो ऐसे विभाग हैं जिनमें माध्यमिक स्तर के कोर्स चल रहे हैं।

वर्ष 1921 में कैनिंग कॉलेज को लविवि में शामिल करने के समय ताल्लुकेदारों ने विभाग के लिए कुछ संपत्तियों की व्यवस्था की थी। संपत्ति देने के लिए दो शर्तें लगाई थीं। पहली शर्त के अनुसार इन विभागों का संचालन हमेशा होता रहेगा और इन्हें कभी बंद नहीं किया जाएगा। दूसरी शर्त इन विभाग के विद्यार्थियों से शुल्क न लेने की थी। इन दोनों विभागों में से प्राच्य अरेबिक एवं पर्शियन विभाग ने 160वां स्थापना दिवस समारोह मनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

विभाग को कला प्रांगण में पर्शियन विभाग के बाद नया स्थान भी दिया गया है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार किसी भी विश्वविद्यालय के लिए स्थापना के सौ साल पूरे करना बड़ी उपलब्धि है। लविवि ने सौ साल पूरे किए हैं। इसके विभाग 160 साल के होने वाले हैं, यह इससे भी बड़ी बात है।

160 हस्तियों के बारे में बताने की तैयारी

प्राच्य अरेबिक एवं पर्शियन विभाग के शिक्षक डॉ. सुबान आलम ने स्थापना दिवस समारोह को अलग अंदाज में मनाने की तैयारी शुरू की हैं। इसके तहत विभाग से जुड़ीं 160 हस्तियों के बारे में एक-एक स्टॉल लगाने की तैयारी है। इनके परिवार से जुड़े लोगों को भी बुलाने की योजना बनाई जा रही है।

लीज में मकबरों की देखभाल की भी शर्त

कॉलेज के विस्तार के समय तत्कालीन सरकार ने बादशाहबाग स्थित जमीन का 89 एकड़ जमीन का टुकड़ा कैनिंग कॉलेज कमेटी को लीज पर देने का फैसला किया। यह लीज महज एक रुपये सालाना पर थी। कैनिंग कॉलेज कमेटी को यह रकम हर साल एक अप्रैल को नजूल कार्यालय में जमा करनी होती थी। बादशाहबाग स्थित यह जमीन तत्कालीन सरकार ने कपूरथला के राजा से खरीदी थी। लीज में सभी भवन, पेड़ आदि कैनिंग कॉलेज को देने के लिए कहा गया। लीज की शर्त में महाराजा कुंवर सर हरनाम सिंह अहलूवालिया के बच्चों के मकबरों की देखभाल करना भी शामिल था। ये मकबरे सोशल वर्क विभाग के सामने स्थित हैं।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता में 40 टीमें लेंगी हिस्सा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 13 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में 13 से 15 अक्तूबर तक राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसमें विभिन्न राज्यों से 40 टीमें हिस्सा लेंगी।

संकायध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि 13 को प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। मूट कोर्ट से विद्यार्थी लाइव कोर्ट रूम का अनुभव महसूस कर पाएंगे। इससे व्यावहारिक ज्ञान को समझने में मदद मिलेगी। कहा कि विधि के क्षेत्र में मूट कोर्ट की अहम भूमिका होती है। मुख्य अतिथि राज्य विधि आयोग के अध्यक्ष (सेवानिवृत्त जज) पीके मिश्रा होंगे। 15 को प्रतियोगिता के अंतिम दिन हाईकोर्ट लखनऊ के जस्टिस राजेश चौहान और रेरा के चेयरमैन जस्टिस (रि.) डीके अरोड़ा की उपस्थिति रहेगी।

पूरे देश से हिस्सा ले रही टीमें : मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा समेत कई राज्यों से 40 टीमें भाग ले रही हैं।

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली स्वच्छता रैली

लखनऊ। लविवि में सोमवार को 63 यूपी बीएन एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट कोर बटालियन की कैडेट्स ने स्वच्छता रैली निकाली। इसमें शामिल कैडेट्स ने स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूक किया। रैली लविवि के कला संकाय से शुरू होकर आईटी चौराहे तक जाकर वापस विवि पहुंची। सीनियर अंडर ऑफिसर भाविनी बहुगुणा और अंडर ऑफिसर आदर्श मिश्रा ने इसका नेतृत्व किया। (संवाद)

लविवि लॉ वॉरियर्स ने जीती लीग

लखनऊ। लविवि के दूसरे परिसर में होमी जहांगीर भाभा विधि छात्रावास की ओर से आयोजित प्रीमियर क्रिकेट लीग का 11वां संस्करण लॉ वॉरियर्स ने जीता। इससे पहले लॉ वाइकिंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी की। लॉ वॉरियर्स ने 20 ओवर में 244 रनों का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लॉ वाइकिंग्स की टीम 14 ओवर में 119 रन पर ढेर हो गई। मैन ऑफ द मैच रहे अंकित दुबे ने 44 गेंदों में 104 रन बनाए और दो विकेट भी झटके। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अनूप पाल व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अनुराग सिंह रहे। इमर्जिंग प्लेयर का खिताब प्रदीप को दिया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अलावा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रो. बंशीधर सिंह थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

फफक पड़े भावनात्मक रूप से परेशान विद्यार्थी

लखनऊ यूनिवर्सिटी में मानसिक स्वास्थ्य शिविर के दौरान सुनी गईं समस्याएं

एनबीटी सं., लखनऊ : मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य है कि व्यक्ति कैसे सोचता है, महसूस करता है और कार्य करता है। मानसिक स्वास्थ्य जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। इनमें रिश्ते और दैनिक कामकाज तक शामिल हैं। यह बातें एलयू के मनोविज्ञान विभाग में सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य शिविर के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने कहीं।

डॉ. अर्चना ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार' रखा गया है। इस दौरान कुछ सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को बताया गया। इनमें रिश्तों में संघर्ष, करियर को लेकर तनाव, चिंता और क्रोध प्रबंधन प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस दौरान भावनात्मक रूप से परेशान कई विद्यार्थी फफक पड़े। कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञों ने उनकी समस्या सुनने के साथ ही समाधान करने का प्रयास भी किया। इस मौके पर यूजी-पीजी के करीब 350 स्टूडेंट, शोधार्थियों व शिक्षक मौजूद रहे।

निकाली स्वच्छ भारत रैली : एलयू की 63 यूपी बीएन एनसीसी की तरफ से सोमवार को स्वच्छ भारत रैली का आयोजन किया गया। कला संकाय प्रांगण से निकले कैडेट्स सफाई के प्रति जागरूक करते हुए एलयू के गेट नंबर दो से आईटी चौराहे होते हुए वापस कला संकाय पहुंचे।

नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता 13 से : एलयू के विधि संकाय की ओर से 13 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें अलग-अलग राज्यों से करीब 40 टीमें प्रतिभाग करेंगी। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हाई कोर्ट लखनऊ के जस्टिस राजेश चौहान और रेरा के चेयरमैन जस्टिस (रि.) डीके अरोड़ा को आमंत्रित किया गया है। समन्वयक डॉ. राधेश्याम प्रसाद ने बताया कि मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन चार राउंड में किया जाएगा।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू: 13 से मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से 13 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों से लगभग 40 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि 13 अक्टूबर को प्रतियोगिता का उद्घाटन होगा। इसमें स्टेट लॉ कमीशन के चेयरमैन जस्टिस (रि.) पीके मिश्रा शामिल होंगे। वहीं 15 अक्टूबर को प्रतियोगिता का समापन होगा। हाईकोर्ट लखनऊ के जस्टिस राजेश चौहान और रेरा चेयरमैन जस्टिस (रि.) डीके अरोड़ा की उपस्थिति रहेगी।

40 टीमें अलग-अलग राज्यों से शामिल होंगी

एनसीसी ने स्वच्छ भारत रैली निकाली

लखनऊ विश्वविद्यालय की 63 यूपी बीएन एनसीसी की ओर से सोमवार को स्वच्छ भारत रैली का आयोजन किया गया। शुरूआत एलयू के कला संकाय प्रांगण से हुई। जहां से कैडेट ने स्वच्छ भारत लोगो और नारे लिखे हुए बैनर पकड़ कर रैली निकाली।

जानकारी के अनुसार कैडेट ने एलयू के गेट नंबर दो से आईटी चौराहे होते हुए फिर एलयू में वापस रैली समाप्त की।

JAGRAN CITY PAGE III

'रिश्तों की समस्याओं से जूझ रहे विद्यार्थी'

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस आज

लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं बताईं • सौजन्य से लवि

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के 80 प्रतिशत छात्र-छात्राएं रिश्तों की समस्याओं से जूझ रहे हैं। करियर संबंधी तनाव भी कम नहीं है। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में सोमवार को आयोजित मानसिक स्वास्थ्य शिविर में विद्यार्थियों की ओर से बताई गई समस्याओं के आधार पर ये आंकड़े सामने आए।

10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस है। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने 'मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है' थीम पर सोमवार को दो दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला ने बताया कि शिविर में में विभिन्न विभागों के यूजी, पीजी के लगभग 350 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन का लाभ उठाया। इसमें कुछ सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान की गई, जिनमें 80 प्रतिशत समस्याएं रिश्तों को लेकर रहीं। इनमें परिवार, दोस्तों आदि के साथ संबंध शामिल हैं। 10 प्रतिशत करियर संबंधी तनाव, चिंता और 10 प्रतिशत क्रोध प्रबंधन समस्याएं हैं। अपनी समस्याओं को बताते हुए कुछ छात्र भावनात्मक रूप से व्याकुल होकर फूट-फूट कर रोने भी लगे। विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता को प्राथमिकता देने की बढ़ती आवश्यकता पर बल देते हुए परामर्श दिया।

12 अक्टूबर से शुरू होगी काउंसिलिंग: डा. अर्चना शुक्ला ने बताया कि शिविर में बड़ी संख्या में लवि के विद्यार्थियों ने शामिल होकर अपनी समस्याएं बताईं। अब उनकी समस्या को सुनकर गंभीरता का आकलन करके काउंसिलिंग का समय दिया गया है। उन सभी को काउंसिलिंग के लिए तिथिवार समय दिया गया है। इसकी शुरुआत 12 अक्टूबर से होगी। काउंसिलिंग में विभाग के विशेषज्ञ समस्याओं का निवारण बताएंगे। यदि गंभीर समस्या हुई तो उसके निवारण के लिए उन्हें केजीएमयू के मनोविज्ञान विभाग में भी विशेषज्ञों के पास भेजा जाएगा।

कवि सम्मेलन आज : मंगलवार को मनोविज्ञान विभाग में दोपहर दो से शाम चार बजे तक कवि सम्मेलन होगा। इसमें छात्र-छात्राएं अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ करेंगे।

बुजुर्ग ही नहीं, किशोरों में भी बढ़े तनाव के मामले

जासं, लखनऊ: तेजी से बढ़ते मानसिक विकार वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ा जोखिम है। जब भी बात संपूर्ण स्वास्थ्य की होती है तब शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक सेहत को लेकर भी ध्यान देते रहना आवश्यक हो जाता है। शरीर और मन एक दूसरे के पूरक होते हैं। इनमें से एक में भी होने वाली समस्या का असर दूसरे की सेहत को प्रभावित करता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के मामले तेजी से बढ़े हैं। विशेषकर युवाओं में तनाव-अवसाद की समस्या में तेज उछाल दर्ज किया गया है। ये बातें कैंसर संस्थान में मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. देवाशीष शुक्ला ने कही। उन्होंने कहा कि अक्सर इस तरह की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है, जो गंभीर रूप ले सकती हैं। डा. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि बहुत अधिक या बहुत कम खाना, दोनों ही तनाव की प्रतिक्रिया हो सकती हैं। यदि आपको स्वयं में इस तरह का बदलाव महसूस हो रहा है तो डाक्टर से सलाह जरूर ले लें।

बैठक 12 को

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की ओर से सात से नौ दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 'मैनेजमेंट स्ट्रैटेजिक एंड प्रैक्टिस फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन के लिए 12 जनवरी को लवि के चाणक्य सभागार में बैठक होगी, जिसमें उन कालेजों के प्राचार्यों को अनिवार्य रूप से बुलाया गया है, जहां बी.बी.ए पाठ्यक्रम संचालित है। बैठक दोपहर एक बजे से होगी। (जासं)

लवि में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता 13 से

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से आगामी 13 से 15 अक्टूबर तक राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों से ला यूनिवर्सिटी एवं कालेजों की 40 टीमें शामिल होने के लिए आएंगी। इस दौरान विधि के छात्र-छात्राओं को लाइव कोर्ट रूम का अनुभव लेने के साथ काफी चीजें सीखने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के पहले दिन शुभारंभ के अवसर पर स्टेट ला कमीशन के चेयरमैन जस्टिस पीके श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि 15 अक्टूबर को प्रतियोगिता के समापन पर हाई कोर्ट लखनऊ के जस्टिस राजेश चौहान और रेरा के चेयरमैन जस्टिस डीके अरोड़ा ने आने की सहमति दी है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजक लखनऊ विश्वविद्यालय होगा। मूट कोर्ट प्रतियोगिता के समन्वयक डा. राधेश्याम ने बताया कि इसमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, गोवा सहित कई राज्यों से 40 टीमें प्रतिभाग करेंगी।

मिलेगा पुरस्कार : मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रारंभिक, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल व फाइनल राउंड होंगे। इसमें विजेता टीम को 15 हजार रुपये, ट्राफी व प्रमाण पत्र और उप विजेता टीम को 10 हजार रुपये, ट्राफी व प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

i-NEXT PAGE 6

'टीम एलयू' में शामिल हुए नेशनल, इंटरनेशनल प्लेयर्स

इन खिलाड़ियों ने लिया दाखिला

सुपर न्यूमेरिक कोटे से मिलता है दाखिला

LOKSATYA PAGE 2

कैडेट्स ने रैली निकाल स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट कोर की इकाई है। कैडेट कोर ने स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता के लिए एलयू परिसर में स्वच्छ भारत रैली निकाली।

कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी मेजर आरके की देखरेख में रैली निकली। मेजर किरण लता डंगवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। रैली का रूट उन्हें गेट नंबर से होकर ले गया। लखनऊ विश्वविद्यालय के 2, आईटी चौराहे से फिर वापस विश्वविद्यालय परिसर तक आई। एनसीसी कैडेटों ने जोरदार नारे लगाए और दर्शकों के साथ स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान के लिए जागरुक करते रहेद। सीनियर अंडर ऑफिसर (एसयूओ) भाविनी बहुगुणा और अंडर ऑफिसर (यूओ) आदर्श मिश्रा ने रैली के सुचारू संगठन और निष्पादन को सुनिश्चित किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि ने निकाली स्वच्छ भारत जागरूकता रैली

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय में 63 यूपी बीएन एनसीसी राष्ट्रीय कैडेट कोर की एक प्रतिष्ठित इकाई है। यह अनुशासन और देशभक्ति के मूल्यों को बढ़ावा देते हुए देश के युवाओं को जिम्मेदार और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक बनाने के लिए समर्पित है। उक्त बातें कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्ष कुमार झा ने रैली के दौरान कही। स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के प्रयास में सोमवार को लविवि की 63 यूपी बीएन एनसीसी टीम ने एक उत्साही स्वच्छ भारत रैली का आयोजन किया। उक्त रैली कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्ष कुमार झा,एसएम प्रशासनिक अधिकारी, लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी मेजर आरके शुक्ल की देखरेख में निकाली गई। मेजर किरण लता डंगवाल की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम में विवि के एनसीसी कैडेटों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। स्वच्छ भारत रैली लविवि के कला संकाय प्रांगण से शुरू हुई। जिसमें कैडेटों ने गर्व से स्वच्छ भारत का प्रतीक चिन्ह और नारे प्रदर्शित करने वाले बैनर पकड़े हुए थे। यह रैली लविवि के गेट नम्बर-1,2 व 3 से होते हुए आईटी चौराहा तक जाकर और फिर वापस विवि परिसर में आकर समाप्त हुई। रैली के दौरान एनसीसी कैडेटों ने जोरदार नारे लगाए और दर्शकों के साथ स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई।

मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति कैसे सोचता है,महसूस करता है, कार्य करता है और यह उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। जिसमें उनके रिश्ते और दैनिक कामकाज शामिल हैं। दुनियाभर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास जुटाने के लिए हर साल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है। जिसका मकसद ज्ञान में सुधार करना, जागरूकता बढ़ाना और सार्वभौमिक मानव अधिकार के रूप में सभी के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा करने वाले कार्यों को आगे बढ़ाना है। मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर लविवि के मनोविज्ञान विभाग ने विभागाध्यक्ष डॉ.अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में सोमवार को एक महत्वपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और लविवि के सभी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूक करना रहा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को परखा गया

- लविवि में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शिविर हुआ आयोजित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में सोमवार को एक महत्वपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूक करना रहा। इस दौरान कुछ सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान की गयी, जिनमें रिश्ते में संघर्ष, करियर से संबंधित तनाव, चिंता और क्रोध प्रबंधन समस्याएं शामिल हैं। कुछ छात्र भावनात्मक रूप से इतने व्याकुल हो गए कि फूट-फूटकर रोने लगे। विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता को प्राथमिकता देने की बढ़ती आवश्यकता पर बल देते हुए, परामर्श नियुक्तियां प्रदान करके तेजी से प्रतिक्रिया व्यक्त की। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के यूजी, पीजी के लगभग 350 छात्रों और अनुसंधान विद्वानों ने मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन से लाभ उठाया, जो छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्क्रीनिंग के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डालता है। यह सक्रिय दृष्टिकोण संभावित मुद्दों की शीघ्र पहचान करने, समय पर हस्तक्षेप और समर्थन को सक्षम करने की अनुमति देता है।

PIONEER PAGE 4

एलयू में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डा. अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और विश्वविद्यालय के सभी छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूक करना था।

दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयास जुटाने के लिए हर साल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 2023 की थीम मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है। सुबह से ही भारी संख्या में छात्र शिविर में आ गए और इस तरह की पहल की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। कुछ सामान्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की पहचान की गई, जिनमें रिश्ते में संघर्ष, करियर से संबंधित तनाव, चिंता और क्रोध प्रबंधन समस्याएं शामिल हैं।

विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता को प्राथमिकता देने की बढ़ती आवश्यकता पर बल देते हुए परामर्श नियुक्तियाँ प्रदान करके तेजी से प्रतिक्रिया व्यक्त की। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के यूजी, पीजी के लगभग 350 छात्रों और अनुसंधान विद्वानों ने मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन से लाभ उठाया, जो छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्क्रीनिंग के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डालता है।

63 यूपी बीएन एनसीसी ने किया स्वच्छ भारत रैली का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विवि की 63 यूपी बीएन एनसीसी की तरफ से स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने के प्रयास में सोमवार को एक स्वच्छ भारत रैली निकाली गयी। स्वच्छ भारत रैली विश्वविद्यालय के कला संकाय प्रांगण से शुरू होकर आईटी चौराहे तक निकाली गयी। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हर्ष कुमार झा, एसएम, प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश तिवारी और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी मेजर आरके की कुशल देखरेख में मेजर किरण लता डंगवाल की अध्यक्षता में एनसीसी कैडेटों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। रैली के दौरान, एनसीसी कैडेटों ने जोरदार नारे लगाए और दर्शकों के साथ स्वच्छता और स्वच्छ भारत अभियान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में लगे रहे।